



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

27/8-81

भाग II—खण्ड 4

PART II—SECTION 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 16, 1981/आषाढ़ 25, 1903  
No. 14] NEW DELHI, THURSDAY, JULY 16, 1981/ASADHA 25, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

रक्षा मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1981

रा. मि. आ. 18(अ).—सशस्त्र सेना (आपात स्थितियों) अधिनियम, 1947  
(1947 का 15वां) की धारा 2 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग  
करते हुए और भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय की दिनांक 18 अप्रैल, 1981 की अधि-  
सूचना संख्या का. नि. आ. 14-ई, 16 मई, 1981 की अधिसूचना संख्या का.  
नि. आ. 15-ई तथा 16 जून, 1981 की अधिसूचना संख्या का. नि. आ. 17-ई के

अनुक्रम में केन्द्र सरकार, एतद्वारा असम राज्य में पेट्रोलियम उत्पादों के निर्माण, संभरण, संचालन और अनुसूचना तथा पाइप लाइनों और तेल प्रतिष्ठानों को चलाने से संबंधित प्रत्येक सेवा को 18 जुलाई, 1981 से एक महीने की और अवधि के लिए समाप्त के लिए अत्यधिक महत्व की सेवा घोषित करती है।

[फा. सं. 2(35)80/डी (जे. एस. 1)]

सी. वी. नारायणन, संयुक्त सचिव (ई)

## MINISTRY OF DEFENCE

### NOTIFICATION

New Delhi, the 16th July, 1981

**S.R.O. 18(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 2 of the Armed Forces (Emergency Duties) Act, 1947 (15 of 1947), and in continuation of the notifications of the Government of India in the Ministry of Defence S.R.O. No. 14-E, dated the 18th April, 1981, S.R.O. 15-E, dated the 16th May, 1981 and S.R.O. No. 17-E, dated the 16th June, 1981, the Central Government hereby declares every service forming part of, or connected with, the generation, supply, operation and maintenance of petroleum products and running of oil installations and pipelines in Assam to be a service of vital importance to the community for a further period of one month with effect from 18th July, 1981.

[F. No. 2(35)/80/D(G.S.I)]

C. V. NARAYANAN, Jt. Secy.(E)